NEW

2017

Part–II

HINDI

(General)

PAPER—II

Full Marks : 90

Time : 3 Hours

The figures in the right hand margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

खण्ड–क

1. निम्नलिखित में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए : 15×1

क) कबीर की भक्ति-भावना पर प्रकाश डालिए ।

ख) 'सूरदास की भक्ति में दास्य, सख्य और माधुर्य इन तीनों भावों का सम्मिश्रण है'—इस कथन की समीक्षा कीजिए ।

ग) बिहारी की कविता में शृंङ्गार, भक्ति एवं नीति की त्रिवेणी प्रवाहित होती है—इस कथन की विवेचना कीजिए ।

2. किन्हीं **दो** अवतरणों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : 8×2

क) माली आवत देखिकै कलियां करै पुकार ।
फूलि-फूलि चुनि लई, काल्हि हमारी बार ॥
पानी ही तैं हिम भया, हिम ह्वै गया बिलाय ।
जो कछु था साई भया, अब कछु कहा न जाई ॥

ख) सिय समीप ग्रामतिय जाहीं । पूँछत अति सनेहँ सकुचाहीं ।
बार-बार सब लागहिं पाएँ । कहहिं बचन मृदु सरल सुभाएँ ॥
राजकुमारि बिनय हम करहीं । तिय सुभायँ कछु पूछत डरहीं ।
स्वामिनि अबिनय छमबि हमारी । बिलगु न मानब जानि गवाँरी ॥
राजकुअँर दोउ सहज सलोने । इन्ह तें लहि दुति मरकत सोने ॥

ग) बढत-बढत संपति-सलिलु मन-सरोज बढ़ि जाइ ।
घटत घटत सुन फिरि घटै, बरू समूल कुम्हिलाइ ॥
कोटि जतन कोऊ करौ परै न प्रकृतिहिं बीचु ।
नल बल जल ऊँचे चढ़ै, अंत नींच कौ नीचु ॥

घ) देखियति कालिंदी अति कारी ।

अहो पथिक कहियौ उन हरि सौं, भई बिरह-जुर-जारी ।

मनु पलिका तैं परी धरनि धुकि, तरंग तलफ तन-भारी ॥

तट बारू उपचार-चूर, जल मनौ प्रसेद-पनारी ।

बिगलित कच-कुस-कास पुलिन पर पंक जु कज्जल सारी ॥

भँवर मनौ तहँ भ्रमत फिरत अति दिसि दिसि दीन दुखारी ।

निसि दिन चकई बादि बकत अति, फेन मनौ अनुहारी ।

सूरदास-प्रभु जो जमुना गति सो गति भई हमारी ॥

3. किन्हीं **दो** लघूत्तरी प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 4×2

क) कबीर की काव्य-भाषा पर विचार कीजिए ।

ख) पठित पदों के आधार पर सूर के वात्सल्य वर्णन पर संक्षेप में प्रकाश डालिए ।

ग) कबीर अपने सतगुरु की महिमा का बखान कैसे करते हैं ?

घ) तुलसी के 'राम-वन-गमन' प्रसंग के भाव-सौन्दर्य का संक्षेप में वर्णन कीजिए ।

खण्ड—ख

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए : 15×1

क) छायावादी विशेषताओं के आधार पर प्रसाद के काव्य का मूल्यांकन कीजिए ।

ख) 'महादेवी और रहस्यवाद'—विषय पर महादेवी के काव्य में व्यक्त रहस्यवाद की समीक्षा कीजिए।

ग) निराला की काव्यगत विशेषताओं पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

5. किन्हीं **दो** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8×2

क) भोगती राजसुख रह कर नहीं महल में,
पालती खड़ी हो मुझे कहीं तरू-तल में।
लूटतीं जगत में देवि! कीर्ति तुम भारी,
सत्य ही कहाती, सती सुचरिता नारी।

ख) काट अंध-उर के बंधन-स्तर
बहा जननि, ज्योतिर्मय निर्झर;
कलुष-भेद-तम हर प्रकाश भर
जगमग जग कर दे!

ग) मानव! ऐसी भी विरक्ति क्या जीवन के प्रति ?
आत्मा का अपमान, प्रेत औ' छाया से रति ।।
प्रेम-अर्चना यही, करें हम मरण को वरण ?
स्थापित कर कंकाल, भरें जीवन का प्रांगण ?

घ) साँप! तुम सभ्य तो हुए नहीं
नगर में बसना तुम्हें नहीं आया

एक बात पूछूँ—(उत्तर दोगे ?)

तब कैसे सीखा डसना-विष कहाँ पाया ?

6. किन्हीं **तीन** लघूत्तरी प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 4×3

क) 'रश्मिरथी' के पंचम सर्ग के आधार पर कर्ण की व्यथा को संक्षेप में स्पष्ट कीजिए ।

ख) पंत की 'भारतमाता' कविता का मूल भाव लिखिए ।

ग) महादेवी की कविता 'मधुर मधुर मेरे दीपक जल' का मूल भाव अपने शब्दों में लिखिए ।

घ) 'निराला के मुक्त छंद' पर विचार कीजिए ।

ङ) 'कल्पना के पुत्र हे भगवान' कविता की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए ।

7. किन्हीं **आठ** अति लघूत्तरी प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 1×8

क) कबीर के गुरु कौन थे ?

ख) 'रामचरितमानस' की भाषा क्या है ?

ग) बिहारी के ग्रंथ का नाम लिखिए ।

घ) निराला अमीरों की हवेली को किस रूप में देखना चाहते हैं ?

ङ) केदारनाथ अग्रवाल के किसी एक काव्य-संग्रह का नाम लिखिए ।

च) ‘सतरंगे पंखों वाली’ काव्य-रचना किस कवि की है ?

छ) ‘रश्मिरथी’ के अतिरिक्त दिनकर की किसी अन्य रचना का नाम लिखिए ।

ज) सूरदास की किसी एक रचना का नाम लिखिए ।

झ) प्रसाद के किसी एक नाटक का नाम लिखिए ।

ञ) ‘देवता इन प्रतीकों के कर गए हैं कूच’—किस कविता की पंक्ति है ?

—o—